Directorate of Education

Govt. of NCT of Delhi

Practice Test Material

2015-2016

Subject : History
Class : XII

Under the guidance of :

Addl. DE (School/Exam)

Coordination by :

Mr. Urvashi Gupta
RPVV, Civil Lines, Delhi

Prepared by :

1.	Anita Jayant	Lecturer	RPVV Surajmal Vihar, Delhi
2.	Ruchi Anand	Lecturer	RPVV, Yamuna Vihar, Delhi
3.	Madhu Bala	Lecturer	RPVV, Nand Nagari, Delhi
4.	Vinita	Lecturer	RPVV, Civil Lines
5.	Poonam Lao	Lecturer	RSKV, Chander Nagar, Delhi

कार्य प्रपत्र-1

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-1 : ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ (हड़प्पा सभ्यता)

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. हड़प्पा सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु कौन-सी है? तथा वह किस पत्थर से बनाई गई?
2. हड़प्पा सभ्यता की खोज कब हुई? किन विद्वानों के नेतृत्व में इसकी खोज हुई?
3. कनिघंम ने हड़प्पा सभ्यता की खोज के लिए किन स्त्रोतों का प्रयोग किया? क्या आपके विचार में यह सही थे?
4. हड़प्पा सभ्यता की लिपि को रहस्यमय लिपि क्यों माना जाता है? दो बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट कीजिए।
5. हड़प्पाई समाज में सामाजिक, आर्थिक भिन्नताओं का अवलोकन के लिए पुरातत्वविद् किन-किन विधियों का प्रयोग करते हैं?
6. हड़प्पा सभ्यता की चार विशेषताएँ जो इसे नगरीय सभ्यता प्रमाणित करती है। वर्णन कीजिए।
7. हड़प्पा सभ्यता के पश्चिमी एशिया के साथ व्यापारिक सम्बन्धों का वर्णन साक्ष्यों के आधार पर कीजिए।
8. ''प्राचीन सभ्यता होते हुए भी हड़प्पा सभ्यता एक विकसित व नियोजित नगर सभ्यता थी।'' तर्कों द्वारा स्पष्ट कीजिए।
9. एक 'आक्रमण' के साक्ष्य

   डैडमैन लेन एक संकरी गली है, जिसकी चौड़ाई 3 से 6 फीट तक परिवर्ती है वह बिन्दु जहाँ यह गली पश्चिमी की ओर मुड़ती है, 4 फ़ीट तथा 2 इंच की गहराई पर एक खोपड़ी का भाग एक वयस्क छाती तथा हाथ के ऊपरी भाग पर हड्डियाँ मिली थीं। ये सभी बहुत भुरभुरी अवस्था में थीं। यह धड़ी पीठ के बल, गली में आड़ा पड़ा हुआ था। पश्चिमी की ओर 15 इंच की दूरी पर एक छोटी खोपड़ी के कुछ टुकड़े थे। इस गली का नाम इन्हीं अवशेषों पर आधारित है।

   जॉन मार्शल, मोहनजोदडो एंड द इंडस सिविलाईजेशन, 1931 से उद्धृत

   क. इस गली को यह नाम क्यों दिया गया?

   ख. प्रस्तुत पंक्तियाँ किस पुस्तक से उद्धृत है?

   ग. यह वर्णन सभ्यता के अन्त के विषय में क्या जानकारो देता है?

10. मानचित्र कार्य -

क. दिए गए भारत के राजनैतिक रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित स्थानों को अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए -

राखीगढ़ी, बालाकोट

ख. इसी मानचित्र पर हड़प्पा सभ्यता के तीन प्रमुख केन्द्र 1, 2 और 3 अंकित किए गए है। उन्हें पहचानिय तथा उनके सही नाम खींची गई रेखाओं पर लिखिए।

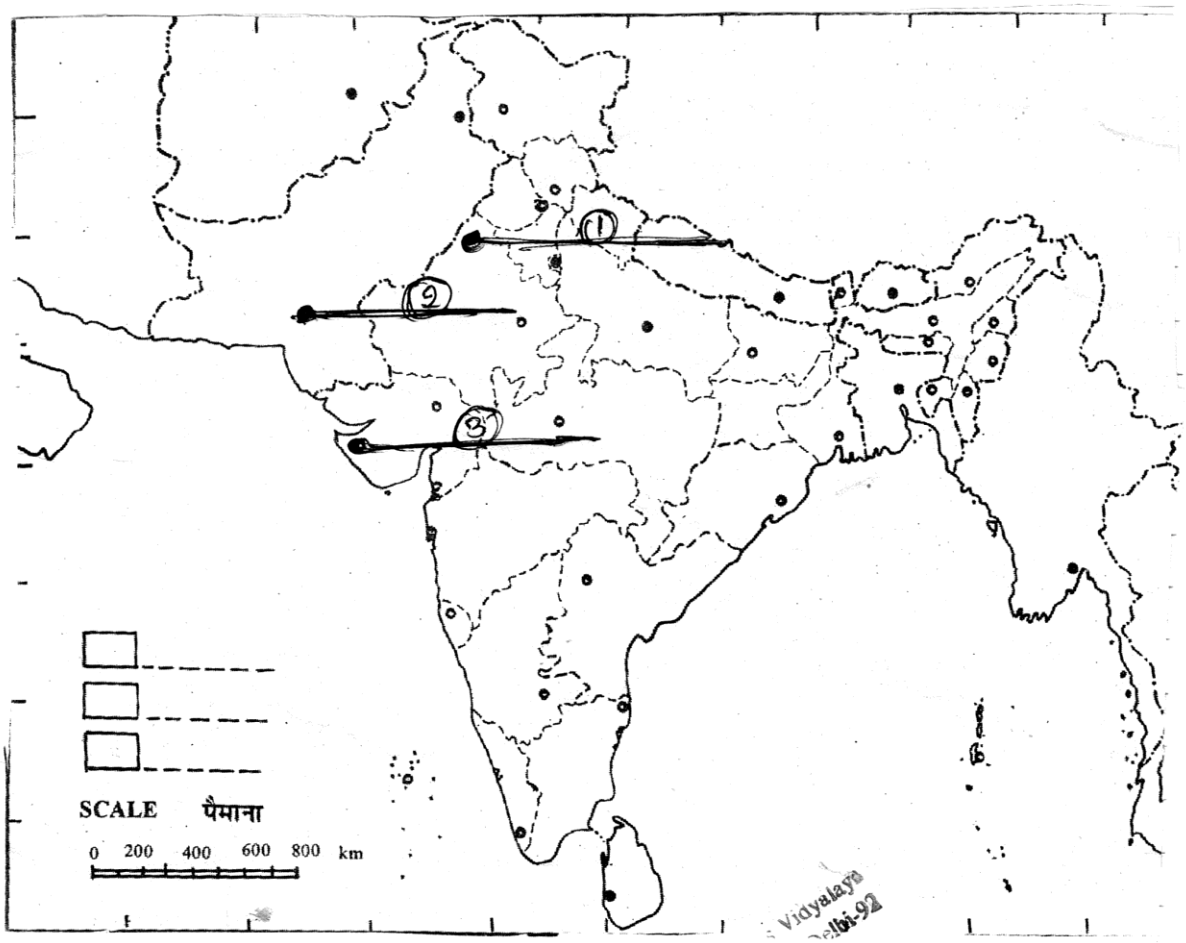

कार्य प्रपत्र-2

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-2 : राजा, किसान और नगर, आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ

(लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. अशोक के सिंह शीर्ष को आज क्यों महत्वपूर्ण माना जाता है?
2. जातक और पंचतंत्र की कथाएँ किस प्रकार इतिहास निर्माण के एक स्त्रोत के रूप में भूमिका निभाती है। दो बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट कीजिए।
3. ''धम्म'' से क्या अभिप्राय है? इसका प्रचार किस प्रकार किया गया।
4. मौर्य साम्राज्य के संस्थापक कौन थे? मौर्य साम्राज्य की स्थापना कब हुई? तथा उनका साम्राज्य कहाँ तक फैला हुआ था?
5. 600 ई.पू. से 600 ई. तक के काल के सिक्के इतिहास निर्माण में क्या भूमिका निभाते है। उदाहरण सहित लिखो।
6. ''आरंभिक भारतीय इतिहास में छठी शताब्दी ई.पू. को एक महत्वपूर्ण परिवर्त्तनकारी काल माना जाता है।'' स्पष्ट कीजिए।
7. अभिलेखों से प्राप्त होने वाली जानकारी की सीमाओं का उल्लेख कीजिए।
8. यह प्रयोग प्रशस्ति का एक अंश है :

   धरती पर उनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं था। अनेक गुणों और शुभकार्यों से सम्पन्न उन्होंने अपने पैर के तलवे से अन्य राजाओं के यश को मिटा दिया है। वे परमात्मा पुरुष हैं, साधु (भले) की समृद्धि और असाधु (बुरे) के विनाश के कारण हैं। वे अज्ञेय हैं। वे करुणा से भरे हुए हैं। उनके मस्तिष्क की दीक्षा दीन-दुखियों, विरहणियों और पीड़ितों के उद्धार के लिए की गई है। वे देवताओं में कुबेर, वरुण, इंद्र और यम के तुल्य हैं।

   क. शासक को लोकप्रिय और सम्मान का अधिकारी बनाने वाल गुण कौन-कौन से है?

   ख. इतिहासकारों के लिए प्रशस्ति का विवरण किस स्तर तक विश्वसनीय है और क्यों?

   ग. मेगस्थनीज और कौटिल्य क लेखों के आधार पर मौर्य प्रशासन और सैन्य संचालन का वर्णन कीजिए।

10. मानचित्र कार्य –

क. दिए गए भारत के राजनैतिक रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित स्थानों को अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए –

गांधार, अंग

ख. इसी मानचित्रि पर अशोक के तीन महाशिलालेख 1, 2 और 3 अंकित किए गए है। उन्हें पहचानियें तथा उनके सही नाम समीप खींची गई रेखाओं पर लिखिए।

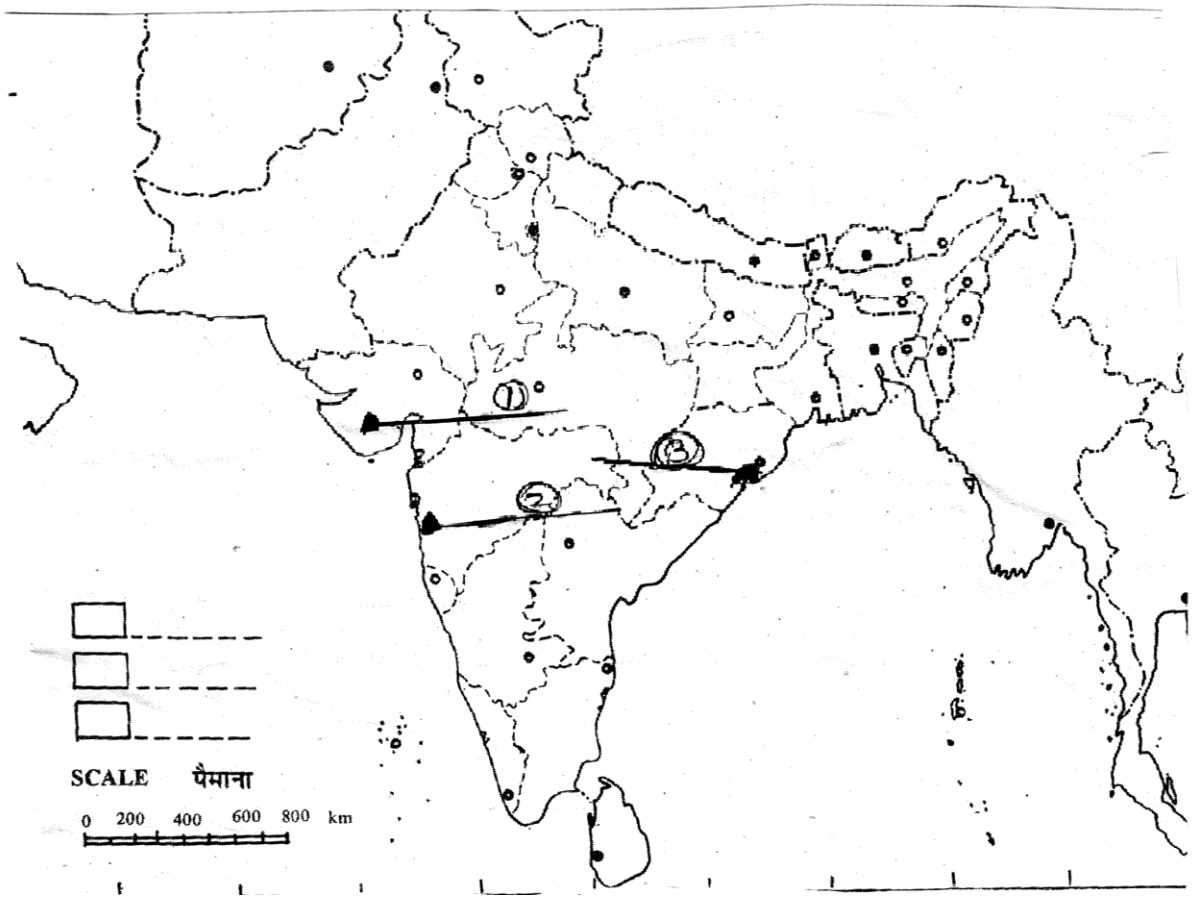

कार्य प्रपत्र-3

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-3 : बंधुत्व, जाति तथा वर्ग आरंभिक समाज

(लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. वर्ण और जाति में क्या अन्तर था?
2. गोत्र से क्या अभिप्राय है तथा ब्राह्मणीय पद्धति के अनुसार गोत्र संबंधी दो नियम लिखिए।
3. मनुस्मृति क्या थी? इसका संकलन कब हुआ?
4. महाभारत की मूलकथा और साहित्यिक परंपरा के रचयिता कौन थे?
5. धर्मशास्त्र के आधार पर वर्ण-व्यवस्था और उनकी जीविका से जुड़े नियमों का वर्णन कीजिए।
6. इतिहासकार महाभारत की विषयवस्तु को किन दो शीर्षकों में रखते है? इसे गतिशील ग्रन्थ क्यों माना जाता है?
7. ''स्त्रियाँ पैतृक संसाधन में हिस्सेदारी की माँग नहीं कर सकती थी परन्तु स्त्रीधन पर उनका स्वामित्व माना जाता था।'' - इस कथन का विश्लेषण कीजिए।
8. मनुस्मृति के अनुसार चाण्डाल कौन थे? तथा उनके कर्त्तव्यों का वर्णन कीजिए।
9. महाभारत ग्रंथ तत्कालीन समाज की आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक स्थिति से क्या जानकारी प्रदान करता है?
10. एक धनाढ्य शूद्र

यह कहानी पालि भाषा के बौद्ध ग्रंथ मज्झिमनिकाय से है जो एक राजा अवन्तिपुत्र और बुद्ध के अनुयायी कच्चन के बीच हुए संवाद का हिस्सा है। यद्यपि एक कहानी अक्षरशः सत्य नहीं थी तथापि यह बौद्धों के वर्ण रवैये को दर्शाती है।

अवन्तिपुत्र ने कच्चन से पूछा कि ब्राह्मणों के इस मत के बारे में उनकी क्या राय है, कि वे सर्वश्रेष्ठ हैं और अन्य जातियाँ निम्न कोटि की हैं, ब्राह्मण का वर्ण शुभ्र है और अन्य जातियाँ काली हैं, केवल ब्राह्मण पवित्र है अन्य नहीं। ब्राह्मण ब्रह्मा के पुत्र हैं, ब्रह्मा के मुख से जन्मे, उनसे ही रचित हैं तथा ब्रह्मा के वंशज हैं।

कच्चन ने उत्तर दिया, ''क्या यदि शूद्र धनी होता ..... दूसरा शूद्र ..... अथवा क्षत्रिय या फिर ब्राह्मण अथवा वैश्य उससे विनीत स्वर में बात करता?''

अवन्तिपुत्र ने प्रत्युत्तर में कहा कि यदि शूद्र के पास धन अथवा अनाज, स्वर्ण या फिर रजत होती वह दूसरे शूद्र को अपने आज्ञाकारी सेवक के रूप में प्राप्त कर सकता था, जो उससे पहले उठे और उसके बाद विश्राम करे, जो उसकी आज्ञा का पालन करे विनीत वचन बोले अथवा वह क्षत्रिय, ब्राह्मण या फिर वैश्य को भी आज्ञाकारी सेवक बना सकता था।

कच्चन ने पूछा ''यदि ऐसा है तो क्या फिर चारों वर्ण एकदम समान नहीं है?''

अवन्तिपुत्र ने यह स्वीकार किया कि इस आधार पर चारों वर्णों में कोई भेद नहीं है।

क. उपरोक्त संवाद किस ग्रंथ से उद्धृत है और किस-किस के बीच में हुआ?

ख. यह उद्धृण तत्कालीन जाति व्यवस्था के किन पहलुओं पर प्रकाश डालता ह?

कार्य प्रपत्र-4

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-4 : विचारक, विश्वास और इमारतें, सांस्कृतिक विकास

(लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. ''ईसा पूर्व प्रथम सहस्राब्दि का काल विश्व इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जाता है।'' क्यों?
2. स्तूप से क्या अभिप्राय है? तथा साँची के स्तूप के संरक्षण में कितनी महत्वपूर्ण थी?
3. वेद कितने है? उनके नामों का उल्लेख कीजिए तथा ऋग्वेद की विशेषता लिखिए।
4. जैन और बौद्ध धर्म के प्रवर्तक कौन थे?
5. ''साँची व अमरावती के स्तूप समान महत्व रखते हुए भी उनकी नियति अलग क्यों है।'' - स्पष्ट कीजिए।
6. स्तूप की संरचना और उनके अलंकरण का वर्णन कीजिए।
7. पौराणिक और आधुनिक मंदिरों की संरचना व उपयोगिता का तुलनात्मक वर्णन कीजिए।
8. जैन व बौद्ध धर्म की शिक्षाओं में अन्तर स्पष्ट कीजिए व इनमें से कौन-सा धर्म अधिक लोकप्रिय हुआ? उल्लेख कीजिए।
9. अजीत केसकंबलिन् नामक दार्शनिक ने यह उपदेश दिया :

   ''हे राजन! दान, यज्ञ या चढ़ावा जैसी कोई चीज नहीं होती ..... इस दुनिया या दूसरी दुनिया जैसी कोई चीज नहीं होती....

   मनुष्य चार तत्वों से बना होता है। ज्ब वह मरता है तब मिट्टी वाला अंश पृथ्वी में, जल वाला हिस्सा जल में, गर्मी वाला अंश भाग में, साँस वाला अंश वायु में वापिस जाता है और इन्द्रियाँ अंतरिक्ष का हिस्सा बन जाती हैं....

   दान देने की बात मूर्खों का सिद्धांत है, खोखला झूठ है..... मूर्ख हो या विद्वान दोनों ही कट कर नष्ट हो जाते हैं। मृत्यु के बाद कोई नहीं बचता।''

   क. इस अनुच्छेद के रचयिता कौन है?

   ख. इसमें मानव जीवन के विषय में क्या विचार व्यक्त किए गए है?

   ग. यह अनुच्छेद ब्राह्मणीय ग्रन्थों का अंश नहीं है। सिद्ध करे।

10. क. भारत के मानचित्र पर निम्नलिखित को अंकित कीजिए तथ उनके नाम लिखिए।

1. भगवान बुद्ध का जन्म स्थल

2. बुद्ध भगवान का निर्वाण स्थल

ख. भारत के मानचित्र पर तीन प्रमुख बौद्ध स्थल, जिनको 1 से 3 तक चिन्हित किया गया है, की पहचान कीजिए तथा उनके नाम पास खिंची रेखा पर लिखिए।

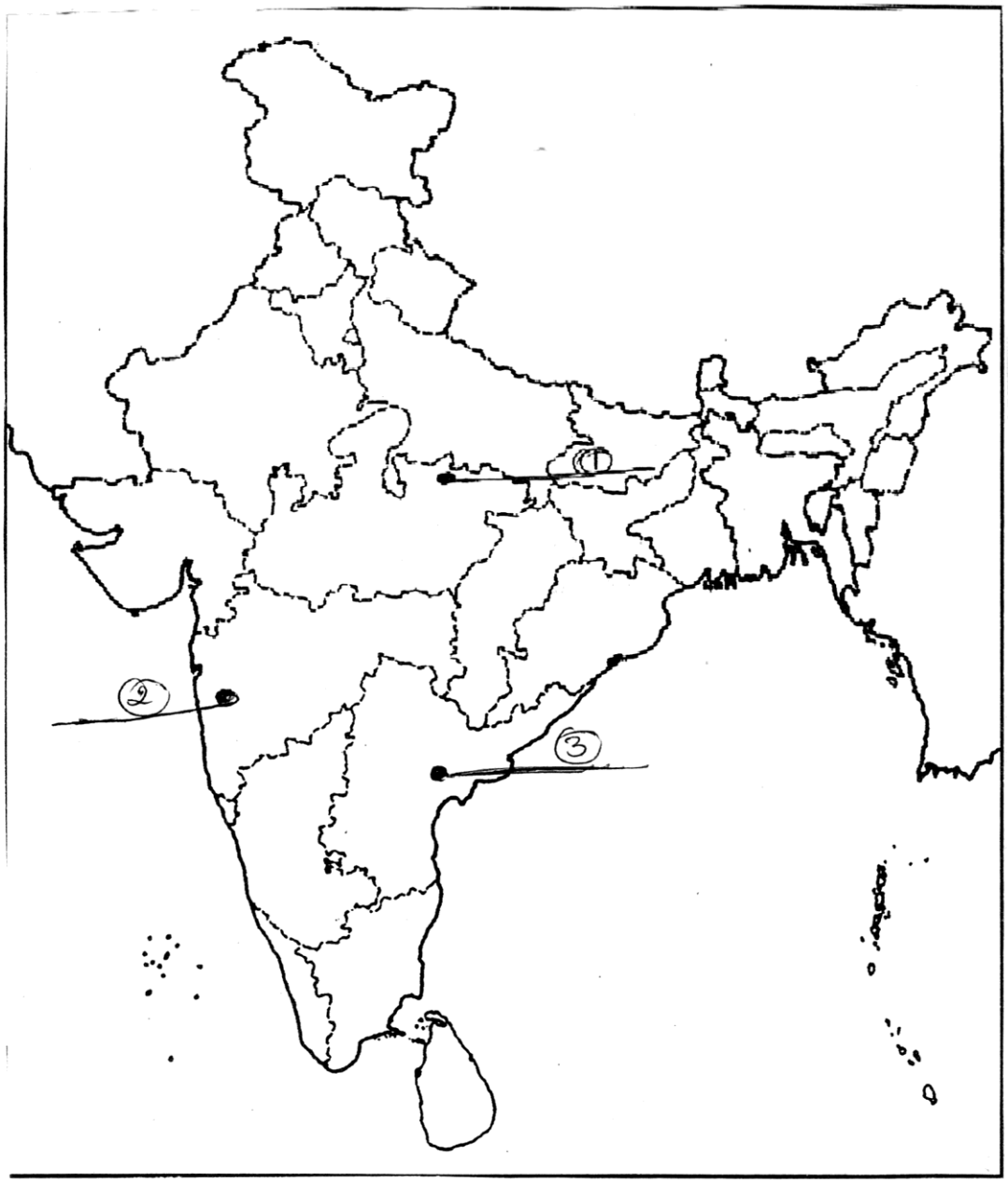

कार्य प्रपत्र-5

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-5 : यात्रियों के नजरिए

(समाज के बोर में उनकी समझ)

(लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक)

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. इब्नबतूता ने डाक प्रणाली का वर्णन किस प्रकार किया?
2. दसवीं से सत्रहवीं सदी के बीच भारत आए किन्हीं चार यात्रियों के नाम और उनके देश के नाम लिखिए।
3. अल बिरूनी द्वारा लिखी गई किताब का नाम बताओ। वह किसके शासनकाल में भारत आया?
4. 'हिन्दु' शब्द सर्वप्रथम किस सदी में प्रयुक्त हुआ? यह शब्द किस भाषा से उद्धृत है?
5. भारत को समझना अलबरूनी के लिए किस प्रकार एक चुनौतो था? आपकी समझ में उसने इन चुनौतियों का सामना कैसे किया?
6. ''लगभग प्रत्येक दृष्टांत में बर्नियर ने भारत की स्थिति को यूरोप में हुए विकास की तुलना में दयनीय बताया'' - इस कथन की व्याख्या कीजिए।
7. बर्नियर द्वारा लिखी गई पुस्तक का नाम लिखिए और इस पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखो। यह पुस्तक किस को समर्पित थी?
8. ''वर्ण-व्यवस्था'

   अलबिरूनी वर्ण-व्यवस्था का इस प्रकार उल्लेख करता है - सबसे ऊँची जाति ब्राह्मणों की है जिनके विषय में हिन्दुओं के ग्रंथ हमें बताता है कि वे ब्रह्मा के सिर से उत्पन्न हुए थे और क्योंकि ब्रह्म, प्रकृति नामक शक्ति का ही दूसरा नाम है, औश्र सिर.. .... शरीर का सबसे ऊपरी भाग है, इसलिए ब्राह्मण पूरी प्रजाति के सबसे चुनिंदा भाग हैं। इसी कारण हिंदू उन्हें मानव जाति में सबसे उत्तम मानते हैं। अगली जाति क्षत्रियों की है जिनका सृजन, ऐसा कहा जाता है, ब्रह्मा के कन्धों और हाथों से हुआ था। उनका दर्जा ब्राह्मणों से अधिक नीचे नहीं है। उनके पश्चात वैश्य आते हैं जिनका उद्भव ब्रह्मा की जंघाओं से हुआ था। शूद्र जिनका सृजन उनके चरणों से हुआ था।

   अंतिम दो वर्गों के बीच अधिक अन्तर नहीं है। लेकिन इन वर्गों के बीच

भिन्नता होने पर भी ये एक साथ ही शहरों और गांव में रहते हैं, समान घरों और आवासों में मिल-जुल कर।

क. उपरोक्त वर्णित वर्ण-व्यवस्था की व्याख्या करो।

ख. अलबिरूनी द्वारा वर्णित वर्ण-व्यवस्था को आप आधुनिक परिप्रेक्ष्य में किस प्रकार देखते हैं?

ग. किस आधार पर हम कह सकते हैं कि वर्गों की भिन्नता होने पर भी लोगों में एकता का भाव था?

9. यात्रियों कें नजरिए से भारत के विषय में विचारों का निर्माण व प्रसार, इन यात्रियों के 'दृष्टिकोण' और ''उनके कार्यक्षेत्र की रूचियों'' के आधार पर किस प्रकार भिन्न था?

कार्य प्रपत्र-6

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-6 : सूफ़ी परम्पराएँ, धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ

(लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. 'अलवर' और 'नयनार' कौन थे?
2. 'शरिया' और 'उलमा' शब्दों को परिभाषित कीजिए।
3. वीरशैव कौन थे? उन्होंने किस प्रकार परम्परागत समाज की भर्त्सना की?
4. कबीर को समझने के लिए कौन से स्रोत उपलब्ध है?
5. आठवीं से अठारहवीं सदी के उत्तर भारत में धार्मिक विश्वासों का एकीकरण किस प्रकार देखा गया? आप के अनुसार आज का समाज इससे क्या सीख ले सकता है? (मूल्य आधारित प्रश्न)
6. 'सूफी' सिलसिलों से क्या अभिप्राय है? सूफीमत में खानकाह का वर्णन कीजिए।
7. क्या बाबा गुरु नामक किसी नवीन धर्म की संस्थापना करना चाहते थे? किंतु उनकी मृत्यु के बाद ऐसा ही हुआ। विवेचना कीजिए।
8. भक्ति परंपरा में मीरा बाई किस प्रकार स्त्रियों के तात्कालिक परिवेश में कैसे अपवाद स्थापित करती है? आपके विचार से क्या आज महिलाओं की स्थिति सुधरी है? तर्क सहित उत्तर दीजिए। (HOTS)
9. यह उद्धरण उस फ़रमान (बादशाह के हुक्मनामे) का अंश है जिसे 1598 में अकबर ने जारी किया:

   हमारे बुलंद और मुकहस (पवित्र) ज़ेहन में पहुँचा है कि यीशु की मुकहस जमाम के पादरी खम्बायत गुजरात के शहर में इबादत के लिए (गिरजाघर) एक इमारत की तामीर (निर्माण) करना चाहते है;

   क. यह स्रोत अकबर की धार्मिक नीति के बारे में क्या बताता है?

   ख. धार्मिक सहिष्णुता आज के समय में कितना प्रासंगिक है? अपने विचार लिखिए। (मूल्य आधारित प्रश्न)

कार्य प्रपत्र-7

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-7 : एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर

(लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक)

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. विजयनगर की स्थापना कब और किसने की?
2. कालिन मैकेन्जी कौन था? भारतीय इतिहास में इनके योगदान का वर्णन कीजिए।
3. विजयनगर साम्राज्य में कौन से और कैसे विदेशी व्यापारी एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभर कर आये?
4. कृष्णदेव राय किस वंश से संबंधित थे? उनकी किन उपलब्धियां के कारण जाना जाता है?
5. किन तथ्यों के आधार पर कह सकते है कि विजयनगर एक 'हिन्दू राष्ट्र था।' विवेचना कीजिए।
6. अब्दुररज्जाक विजयनगर की किलेबन्दी से बहुत प्रभावित हुआ, वर्णन कीजिए? आपके अनुसार विजयनगर को इस प्रकार की किलेबन्दी की आवश्यकता क्यों थी?
7. विजयनगर साम्राज्य में मंदिर धार्मिक अनुष्ठानों तक ही सीमित नहीं थे, अपितु साम्राज्यिक संस्कृति के निर्माण में अपनी भूमिका निभाते थे? वर्णन कीजिए।
8. अनुच्छेद आधारित प्रश्न - मूल्य आधारित प्रश्न -

   यह डोमिंगो पेस द्वारा लिखे गये विजयनगर शहर के वर्णन से लिया गया एक उद्धरण है :

   इस शहर का परिमाप मैं यहाँ नहीं लिा रहा हूँ क्योंकि यह एक स्थान से पूरी तरह नहीं देखा जा सकता, पर मैं एक पहाड़ पर चढ़ा, जहाँ से मैं इसका एक बड़ा भाग देख पाया। मैं इसे पूरी तरह से नहीं देख पाया क्योंकि वह कई पर्वत श्रृंखलाओं के बीच स्थित है। वहाँ से मैंने जो देखा वह मुझे रोम जितना विशाल प्रतीत हुआ और देखने में अत्यन्त सुन्दर, इसमें पेड़ों के कई उपवन है, आवासों के बगीचों में, तथा पानी की कई नालियाँ, जो इसमें आती है, तथा कई स्थानों पर झीलें हैं तथा राजा के महल के समीप ही खजूर के पेड़ों का बगीचा तथा अन्य फल प्रदान करने वाले वृक्ष थे।

   क. पेस द्वारा भारत की प्राकृतिक सुन्दरता का वर्णन किस प्रकार वर्णन किया गया है?

ख. किन विदेशी यात्रियों ने विजयनगर साम्राजय का भ्रमण किया था?

ग. प्राकृतिक सुन्दरता को बनाये रखने के लिए आप क्या कदम उठायेंगे?

9. महानवमी त्यौहार धार्मिक न होकर राजनैतिक सत्ता का प्रतीक भी था। स्पष्ट कीजिए।

10. (दक्षिण भारत) भारत के मानचित्र में निम्नलिखित को इंगित कीजिए –

क. विजयनगर

ख. मैसूर

ग. क्विलोन

घ. तिरुवल्ली

ङ मदुरई

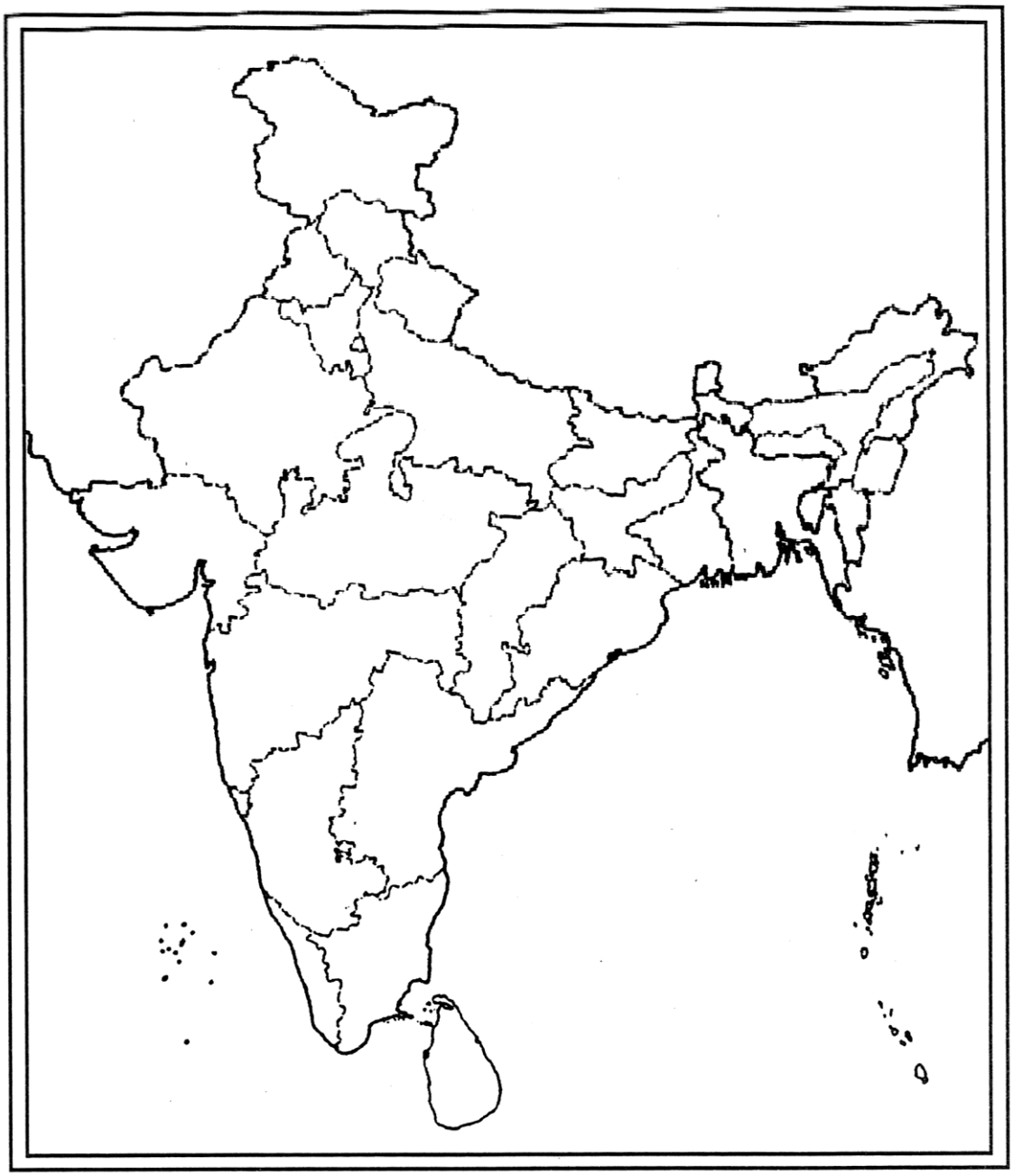

कार्य प्रपत्र-8

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-8 : किसान, ज़मींदार और राज्य

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. 'रैयत' किसे कहते हैं? ये कितने प्रकार के होते हैं?
2. 'ज़िन्स-ए-कामिल' किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।
3. 'ज़ब्ती' प्रथा किसने प्रारंभ की? इसकी विशेषता क्या है?
4. मुगल काल (16वीं व 17वीं शताब्दी) में भारतीय उपमहाद्वीप में विश्व के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कौन-कौन से फसलें पहुँची?
5. मुगलकालीन समाज में पंचायतों की क्या भूमिका थी? आज के समय में पंचायती राज कितना प्रासंगिक है?
6. मुगल साम्राज्य में जमींदारी व्यवस्था को कैसे सुदृढ़ किया गया? संक्षेप में उत्तर दीजिए।
7. मुगल काल में भू-राजस्व प्रणली की किन्हीं चार विधियों की व्याख्या कीजिए।
8. आइन-ए-अकबरी के रचितया कौन थे? इसे कितने भागों में विभाजित किया गया? प्रत्येक भाग की विशेषता लिखिए।
9. नक़द या जीन्स?

आइन से यह एक और अनुच्छेद है:

अमील-गुजार सिर्फ नकद लेने की आदत न डाले बल्कि फसल भी लेने के लिए तैयार रहे। यह बाद वाला तरीका कई तरह से काम में लाया जा सकता है। पहला; कणकुत: हिंदी जुबान में कण का मतलब है, अनाज और कुत, अंदाजा..... अगर कोई शक हो, तो फसल को तीन अलग-अलग पुलिंदों में काटना चाहिए - अच्छा, मध्यम और बदतर, और इस तरह शक दूर करना चाहिए। अक्सर अंदाज से किया गया जमीन का आकलन भी पर्याप्त रूप से सही नतीजा देता है। दूसरा; बटाई जिसे नाओली भी कहते हैं (में), फसल काट कर जमा कर लेते हैं, और फिर सभी पक्षों की मौजूदगी में व रजामंदी में बँटवारा करते हैं। लेकिन इसमें कई समझदार निरीक्षकों की जरूरत पड़ती हैं; वर्ना दुष्ट-बुद्धि और मक्कार धोखेबाजी की नीयत रखते हैं। तीसरे, खेत बटाई जब वे बीज बोने के बाद खेत बाँट लेते हैं। चौथे, लाँग बटाई फसल काटने के बाद, वे उसका ढ़ेर बना लेते हैं और फिर उसे अपने में बाँट लेते हैं, और हरेक (पक्ष) अपना

हिस्सा घर ले जाता है और उससे मुनाफा कमाता है।

क. कणकुत: से क्या अभिप्राय है?

ख. यह अनुच्छेद कहाँ से उद्धृत है व इसके लेखक कौन हैं?

ग. आपके विचार से बटाई की कौनसी पद्धति अधिक लाभदायक है और क्यों?

10. भारत के मानचित्र में बाबर, अकबर और औरंगजेब के अधीन किन्हीं पाँच क्षेत्रों को अंकित कीजिए।

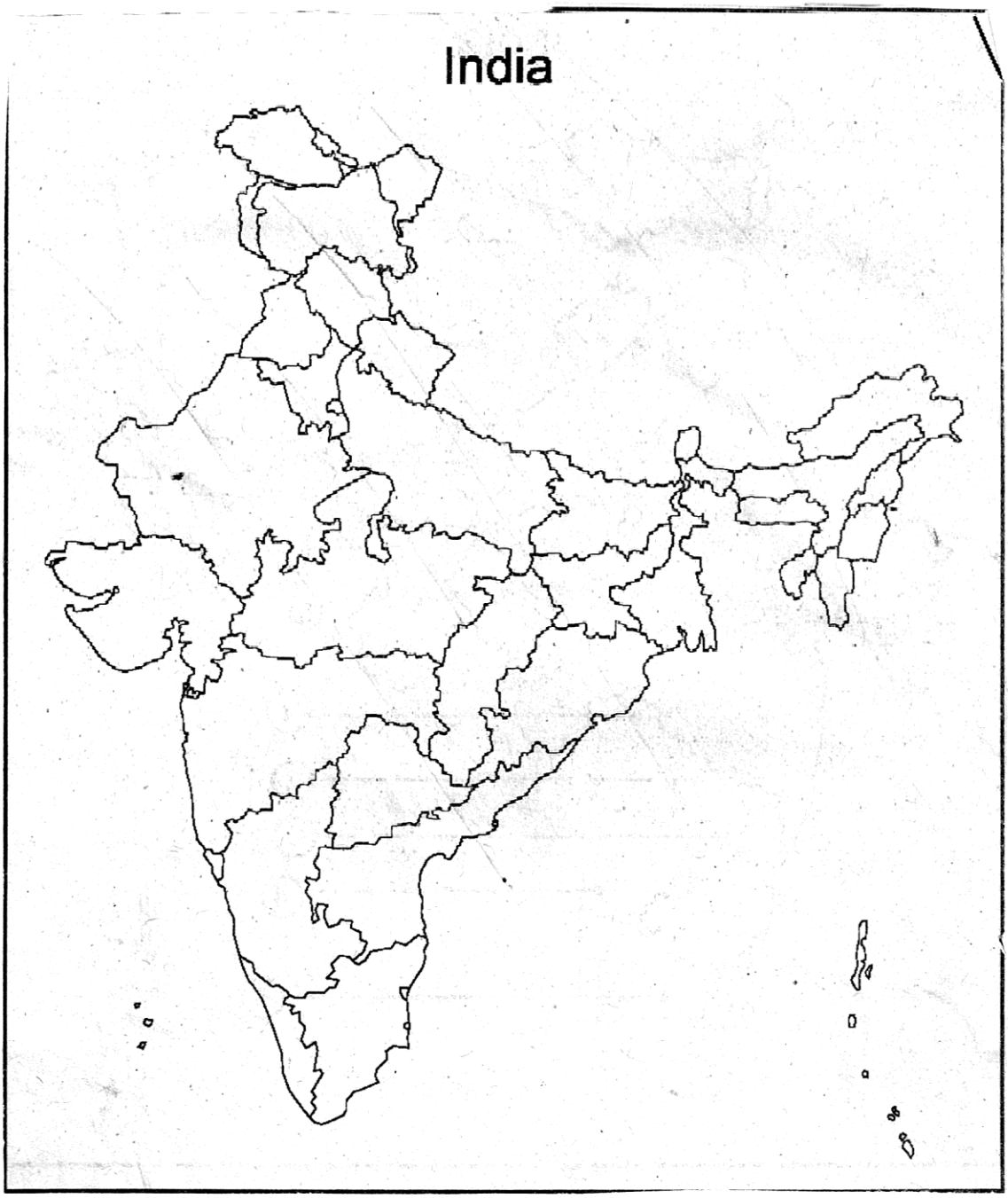

कार्य प्रपत्र-9

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-9 : शासक और इतिवृत्त, मुगल दरबार

(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दियाँ)

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. इतिवृत्त लिखने के पीछे क्या उद्देश्य थे?
2. अबुल फजल ने प्रभुसत्ता को एक सामाजिक अनुबंध के रूप में किस प्रकार परिभाषित किया है?
3. अकबर ने अपनी राजधानी फतेहपुर सीकरी में क्यों परिवर्तित की? कारण बताइए।
4. 'अबुल फजल चित्रकला को जादुई कला मानता था।' अपने तर्क द्वारा स्पष्ट कीजिए।
5. पांडुलिपि की रचना में चित्रकारी की भूमिका का वर्णन कीजिए।
6. मुगल काल में झरोखा दर्शन जनता से जुड़ने का एक अनूठा माध्यम था। क्या वर्तमान संदर्भ में इसी प्रथा का अनुसरण किया जा रहा है। अपने विचार प्रकट कीजिए।
7. मुगल काल में शाही स्त्रियों ने हरम में रहते हुए भी समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्पष्ट कीजिए।
8. अकबरद्वारा सुलह-ए-कुल नीति का पालन किया गया था। इस नीति का वर्णन करते हुए बताइए कि क्या वर्तमान समय में भी यह प्रासंगिक है?
9. अनुच्छेद आधारित प्रश्न - (मूल्य आधारित प्रश्न)

   दरबार में अभिजात

   अकबर के दरबार में ठहरा हुआ जेसुइट पादरी फादर एंटीनियो मान्सेरेट उल्लेख करता है :

   सत्ता के बेधड़क उपयोग से उच्च अभिजातों को रोकने के लिए राजा उन्हें दरबार में बुलाता है, और निरंकुश आदेश देता है जैसे कि वे उसके दास हों। इन आदेशों का पालन उन अभिजातों के उच्च ओहदे और हैसियत से मेल नहीं खाता था।

   क. उपरोक्त अनुच्छेद में मुगल बादशाह व उनके अधिकारियों में सम्बन्ध कैसे थे? अपने विचार प्रकट कीजिए।

   ख. मुगल काल में अभिजात वर्ग को विशेष दर्जा दिया जाता था। क्या भारतीय

संविधान में इसका विशेष प्रावधान है? विचार व्यक्त कीजिए।

10. मुगल साम्राज्य में शासकी व्यस्था बादशाह के इर्द-गिर्द थी। विवेचना कीजिए।

11. भारत के मानचित्र में मुगलकालीन प्रमुख केन्द्रों को दर्शाइए-

क. पानीपत ख. गोवा

ग. अजमेर घ. लाहौर

ङ आगरा

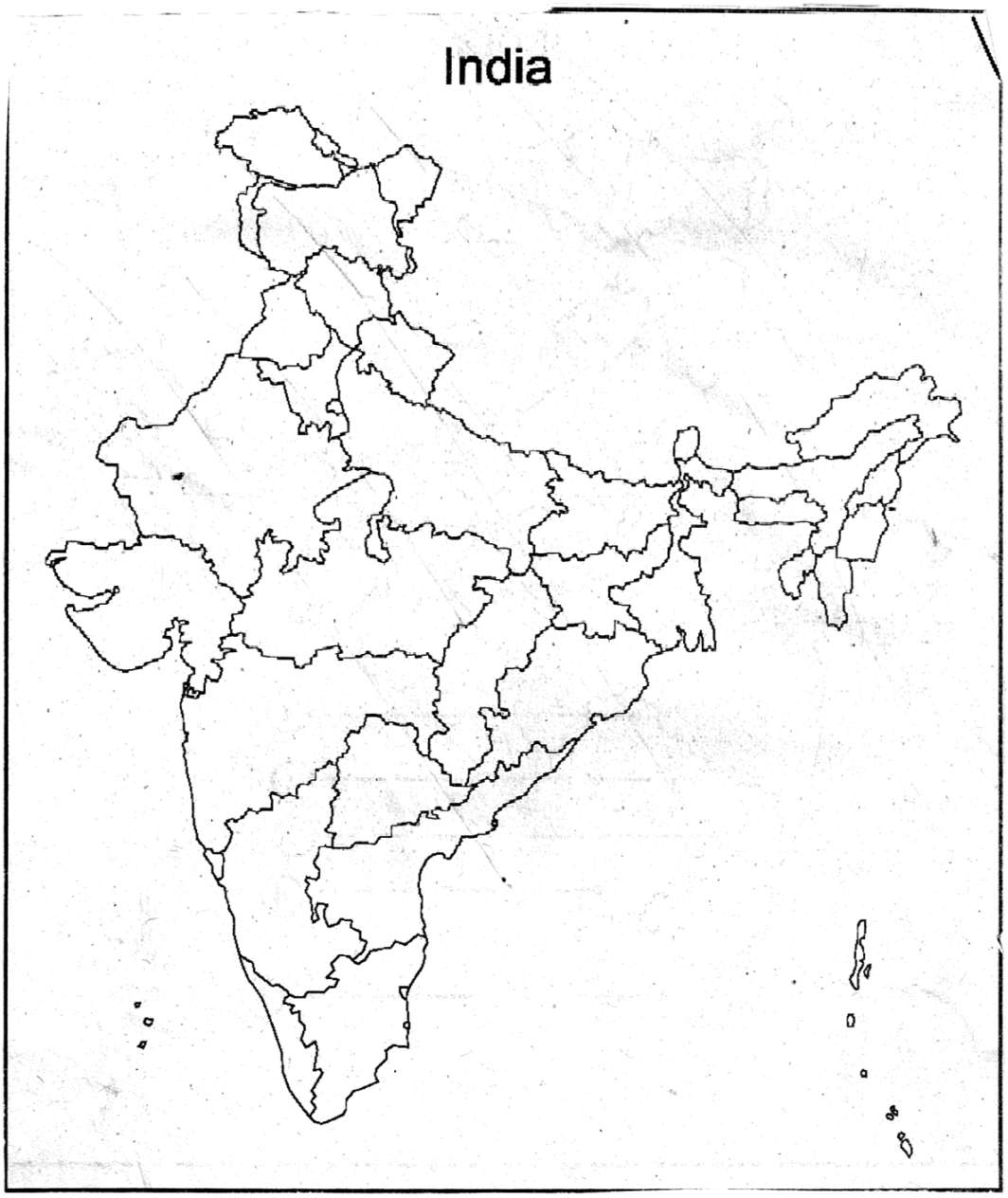

कार्य प्रपत्र-10

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-10 : उपनिवेशवाद और देहात

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. ''गाँव में जोतदारों की शक्ति, जमींदारों की ताकत की अपेक्षा अधिक शक्तिशाली होती थी।'' किन्हीं दो बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट कीजिए।

2. ''सूर्यास्त विधि'' से क्या अभिप्राय है?

3. पाँचवी रिपोर्ट से क्या अभिप्राय है? इसका महत्व स्पष्ट कीजिए।

4. अमरीकी गृह युद्ध कब हुआ? तथा ब्रिटेन के कपास क्षेत्र में इसका क्या प्रभाव पड़ा?

5. इस्तमरारी बंदोबस्त से क्या तात्पर्य है? किन परिस्थितियों में अंग्रेजों (ईस्ट इण्डिया कंपनी) को इसको लागू करने की आवश्यकता महसूस हुई?

6. ''हम बुकानन के विवरण को अपनी जानकारी का आधार मान रहे हैं। लेकिन उसकी रिपोर्टों को पढ़ते समय हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वह ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कंपनो का एक कर्मचारी था।'' इस कथन को स्पष्ट करते हुए बताइए कि बुकानन के विवरण को पढ़ते समय हमें क्या सावधानी बरतनी चाहिए?

7. ईस्ट इण्डिया कम्पनी द्वारा भू-राजस्व नीति अपनाने के पीछे इरादे नेक थे परंतु इसको लागू करते समय किसानों का शोषण किन कारणों से हुआ?

8. ''ईस्ट इण्डिया कम्पनी द्वारा भू-राजस्व एकत्र किए जाने के लिए नियुक्त किए जमींदारों द्वारा किसानों का शोषण किया जाता था।'' - इस कथन से जमींदारों के कौन-से मूल्य का पता चलता है?

9. 16 मई 1857 को, पूना के जिला मजिस्ट्रेट ने पुलिस आयुक्त को लिखा :

   शनिवार दिनांक 15 मई को सूपा में आने पर मुझे इस उपद्रव का पता चला। एक साहूकार का घर पूरी तरह जला दिया गया, लगभग एक दर्जन मकानों को तोड़ दिया गया और उनमें घुसकर वहाँ के सारे सामान को आग लगा दी गई। खाते पत्र, बांड, अनाज, देहाती कपड़ा, सड़कों पर लाकर जला दिया गया, जहाँ राख के ढेर अब भी देखे जा सकते हैं।

   मुख्य कांस्टेबल ने 50 लोगों को गिरफ्तार किया। लगभग 2000 रुपये की चोरी का माल छुड़ा दिया गया। अनुमानत: 25,000 रुपये से अधिक की हानि हुई। साहूकारों

का दावा है कि 1 लाख रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

– उपरोक्त अनुच्छेद के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क. किसानों को यदि अंग्रेजों की नीतियों से गुस्सा था तो उन्होंने साहूकारों के बही-खाते क्यों जलाए गए?

ख. दक्कन दंगा आयोग का गठन किस उद्देश्य से किया गया?

ग. किसानों द्वारा साहूकारों के विरुद्ध आंदोलन कब और कहाँ शुरू किया गया?

10. ''अंग्रेज़ों की 18वीं सदी की भू-राजस्व नीतियाँ 1857 के विद्रोह की नींव तैयार कर रही थी।'' समीक्षा कीजिए।

कार्य प्रपत्र-11

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-11 : 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. 1857 ई. का विद्रोह किस प्रकार ''जन-विदोह'' था। दो बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट कीजिए।
2. अंग्रेजों के द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों ने किस प्रकार विद्रोह को अधिक भड़काने में घी का काम किया। स्पष्ट कीजिए।
3. ''ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।'' यह किसके लिये कहा गया और क्यों?
4. ''एक मुश्त बंदोबस्त'' भू-राजस्व प्रणाली किसके द्वारा लागू की गई कब और क्यों?
5. सहायक संधि कब और किसके द्वारा लागू की गई। इसकी किन्हीं शर्तों का संक्षेप में वर्णन कीजिये।
6. विद्रोह को कुचलने के लिए अंग्रेजों द्वारा उठाये गये कदमों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
7. ब्रिटिश सरकार की दृष्टि में वाजिद अली शाह लोकप्रिय नहीं थे। मगर सच यह है कि लोग उन्हें दिल से चाहते थे। ''देह से जान जा चुकी थी। शहर की काया बेजान थी''.. ..। अपने आप व्यक्त कीजिए।
8. अवध में 1857 ई. के विद्रोह के अधिक व्यापक होने के क्या कारण थे? तथा इसमें किसान, ताल्लुकदार और जमींदार क्यों शामिल हुए?
9. स्रोत आधारित प्रश्न

भाग 2 - व्यापारियों के बारे में : इस अधर्मी और षड्यंत्रकारी ब्रिटिश सरकार ने नील, कपड़े, जहाज व्यवसाय जैसी तमाम बेहतरीन और बहुमूल्य चीज़ों के व्यापार पर एकाधिकार स्थापित कर लिया है। अब छोटी-मोटी चीज़ों का व्यापार ही लोगों के लिए रह गया है...। डाक खर्चे, नाका वसूली और स्कूलों के लिए चन्दे के नाम पर व्यापारियों के मुनाफ़े में से सेंध मारी जा रही है। इन तमाम रियायतों के बावजूद व्यापारियों को दो कौड़ी के आदमी की शिकायत पर गिरफ़्तार किया जा सकता है, बेइज़्ज़त किया जा सकता है। जब बादशाही सरकार बनेगी तो इन सारे फ़रेबी तौर-तरीकों को ख़त्म कर दिया जाएगा और ज़मीन व पानी, दोनों रास्तों से होने वाला हर चीज़ का व्यापार भारत के देसी व्यापारियों के लिए खोल दिय जाएगा....। इसलिए यह हर व्यापारी की ज़िम्मेदारी है कि वह इस जंग में हिस्सा ले और बादशाही सरकार की हर इनसानी और माली मदद करे...।

भाग 3 – सरकारी कर्मचारियों के बारे में : अब यह राज़ की बात नहीं है कि अंग्रेज सरकार के तहत प्रशासनिक और सैनिक सेवाओं में भर्ती होने वाले भारतीय लोगों को इज़्ज़त नहीं मिलती, इनकी तनख़्वाह कम होती है और उनके पास कोई ताकत नहीं होती। दोनों महकमों में प्रतिष्ठा और पैसे वाले सारे पद सिर्फ़ अंग्रेज़ों को मिलते है...। इसलिए ब्रिटिश सेवा में काम करने वाले तमाम भारतीयों को अपने मज़हब और हित पर ध्यान देना चाहिए और अंग्रेज़ों के प्रति अपनी वफ़ादारी छोड़कर बादशाही सरकार का साथ देना चाहिए। उन्हें फ़िलहाल 200 और 300 रुपये प्रतिमाह की तनख़्वाह मिलेगी और भविष्य में ऊँचे ओहदों की उम्मीद रखें...।

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और अन्त में दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क. ब्रिटिश सरकार की किन नीतियों से व्यापारियों का शोषण हुआ।

ख. भारतीयों को सरकारी सेवाओं में इज्जत न मिलने के क्या कारण है।

ग. सरकारी कर्मचारियों को ऐसा क्यों लगा कि उन्हें अंग्रेजों के प्रति अपनी वफादारी छोड़कर बादशाही सरकार का साथ देना चाहिए।

10. मानचित्र कार्य

क. भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर 1857 ई. के निम्नलिखित केन्द्रों का अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए।

1. झांसी 2. बैरकपुर

ख. भारत के दिए हुए राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर 1857 ई. के 1-3 महत्वपूर्ण स्थान दिए गए है। उन्हें पहचानिए तथा उनके सही नाम उनके समीप खींची गई रेखाओं पर लिखिए।

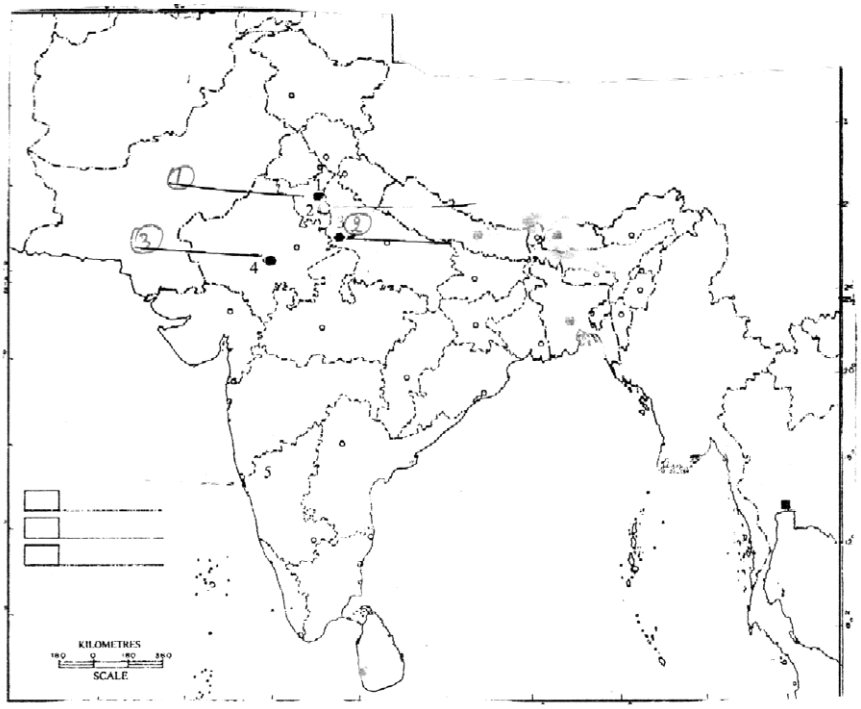

कार्य प्रपत्र-12

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-12 : औपनिवेशिक शहर

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. औपनिवेशिक काल में बसाये गये हिल स्टेशनों के पीछे अंग्रेजों का क्या उद्देश्य रहा होगा? किन्हीं दो बिन्दुओं पर चर्चा कीजिए।
2. औपनिवेशिक काल में जनगणना कराने के पीछे कौन स दो कारण थे? इसका प्रथम प्रयास कब किया गया?
3. बम्बई में समृद्ध भारतीयों द्वारा बनाई गई किन्हीं दो इमारतों का वर्णन कीजिए।
4. मुगल काल में यूरोपीय कम्पनियों ने कहाँ-कहाँ और कब अपने आधार स्थापित किये?
5. पूर्व औपनिवेशिक काल में शहरों की स्थिति का वर्णन करते हुए बताइए कि 18वीं शतब्दी में शहरीकरण में क्या परिवर्तन आये?
6. औपनिवेशिक सरकार का नस्लीय भेदभाव का नजरिया कलकत्ता के नगर नियोजन में प्रमाणित होता है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
7. औपनिवेशिक काल की विभिन्न स्थापत्य शैलियों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। आपके विचार से इन स्थापत्य शैलियों से अंग्रेंजों की किस सोच का पता चलता है?
8. अंग्रेजों द्वारा 'ब्लैक टाउन' और 'व्हाइट टाउन' का निर्माण कराया गया। आपके विचार से किन मूल्यों के आधार पर यह विभाजन किया गया, आज के परिप्रेक्ष्य में किन मूल्यां के आधार पर शहरीकरण किया जा रहा है?
9. बिनोदिनी दासी (1863-1941) बंगाली रंगमंच में उन्नीसवीं सदी के आखिर और बीसवीं सदी के शुरूआती दशकों की जानी-मानी हस्ती थीं उन्होंने नाटककार और निर्देशक गिरिशचंद्र घोष (1844-1912) के साथ काफी काम किया। स्टार थिएटर, कलकत्ता की स्थापना (1883) के पीछे उसका मुख्य हाथ था।
   क. विनोदिनी दासी के क्या मूल्य रहे होंगे जिसके आधार पर वह ये भूमिकाएँ प्रभावशाली रूप से निभा पाई?
   ख. उस समय के रंगमंच की दुनिया और वर्तमान की रंगमंच की दुनिया में क्या मूल परिवर्तन हुआ है?
10. ग्रामीण क्षेत्रों की ओर पलायन (अनुच्छेद आधारित प्रश्न)

1857 में ब्रिटिश सेना द्वारा शहर पर अधिकार करने के बाद दिल्ली के लोगों ने क्या किया, इसका वर्णन प्रसिद्ध शायद मिर्जा गालिब इस प्रकार करते है :

दुश्मन को पराजित करने और भगा देने के बाद, विजेताओं (ब्रिटिश) ने सभी दिशाओं से शहर को उजाड़ दिया। जो सड़क पर मिले उन्हें काट दिया गया....। दो से तीन दिनों तक कश्मीरी गेट से चाँदनी चौक तक शहर की हर सड़क युद्ध भूमि बनी रही। तीन द्वार - अजमेरी, तुर्कमान तथा दिल्ली - अभी भी विद्रोहियों के कब्जे में थे... .। इस प्रतिशोधी आक्रोश तथा घृणा के नंगे नाच से लोगों के चेहरों का रंग उड़ गया और बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएँ..... इन तीनों द्वारों से हड़बड़ा कर पलायन करने लगे। शहर के बाहर छोटे गाँवों और देवस्थलों में शरण ले अपनी वापसी के अनुकूल समय का इंतजार करते रहे।

क. 1857 का विद्रोह सर्वप्रथम कहाँ से शुरू हुआ तथा उस समय कौन-सा मुगल बादशाह था? नाम लिखिए।

ख. 1857 के विद्रोह में दिल्ली शहर की जनता ने कहाँ शरण ली और क्यों?

ग. दिल्ली में वे कौन से द्वार थे? जो विद्रोहियों के कब्जे में थे?

घ. 1857 के विद्रोह के इतिहासकार के रूप में मिर्जा गालिब के एक सकारात्मक और एक नकारात्मक पहलू का वर्णन कीजिए।

कार्य प्रपत्र-13

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-13 : महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आन्दोलन

(सविनय अवज्ञा और उससे आगे)

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. महात्मा गांधी की भारत आने पर सबसे पहली सार्वजनिक उपस्थिति कब और कहाँ हुई?
2. गाँधी जी ने खिलाफत आन्दोलन को असहयोग आन्दोलन के साथ क्यों जोड़ा?
3. दिसम्बर 1929 में हुए कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन का क्या महत्व है?
4. सितम्बर 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध शुरू होने पर कांग्रेसी मंत्रिमंडलों ने सामूहिक इस्तीफा क्यों दिया?
5. गाँधी जी के किन मूल्यों से प्रभावित होकर जनसाधारण उनके साथ जुड़ा? और वे जन नेता के रूप में उभर कर आयें। विस्तार से वर्णन कीजिए।
6. गाँधी को नमक यात्रा किन कारणों से उल्लेखनीय रही? वर्णन कीजिए।
7. असहयोग आन्दोलन शांति की दृष्टि से नकारात्मक - किन्तु प्रभाव की दृष्टि से बहुत सकारात्मक था'', क्यों? इस पर विस्तार से विचार व्यक्त कीजिए।
8. ''दक्षिण अफ्रीका ने गाँधी जी को महात्मा बनाया।'' इसके समर्थन में अपने विचार प्रकट कीजिए।
9. हिन्दी फीचर फिल्म 'लगे रहो मुन्नाभाई' की लोकप्रियता में गाँधी जी के सिद्धान्त काफी महत्वपूर्ण थे। आज के समय में गाँधीजी जैसे सफल जीवन को जीने के लिए कौन से मूल्य सहायक होंगे?
10. अनुच्छेद आधारित प्रश्न -

    निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

    चमत्कारिक व अविश्वसनीय

    संयुक्त प्रांत के स्थानीय समाचार-पत्रों में उस समय फैली गई अफवाहें दर्ज हैं। ये अफवाहें थीं कि जिस किसी भी व्यक्ति ने महात्मा की शक्ति को परखना चाहा उसे अचंभा हुआ :

1. बस्ती गाँव के सिकंदर साहू ने 15 फरवरी को कहा कि वह महात्मा जी में तब विश्वास करेगा जब उसके कारखाने (जहाँ गुड़ का उत्पादन होता था) में गन्ने के रस से भरा कड़ाहा (उबलता हुआ) दो भाग में टूट जाएगा। तुरंत ही कड़ाहा वास्तव में बीच में से दो हिस्सों में टूट गया।

2. आजमगढ़ के एक किसान ने कहा कि वह महात्मा जी की प्रामाणिकता में तब विश्वास करेगा जब उसके खेत में लगाए गए गेहूँ तिल में बदल जाएँ। अगले दिन उस खेत का सारा गेहूँ तिल बन गया।

ऐसी अफ़वाहें थीं कि महात्मा गाँधी का विरोध करने वाले लोग निरपवाद रूप स किसी न किसी त्रासदी का शिकार हुए थे।

1. गोरखपुर से एक सज्जन ने चरखा चलाए जाने की आवश्यकता पर प्रश्न उठाया। उनके घर में आग लग गई।

2. अप्रैल 1921 में उत्तर प्रदेश के एक गाँव में कुछ लोग जुआ खेल रहे थे। किसी ने उन्हें ऐसा करने से रोका। जुआ खेल रहे समूह में से एक ने रुकने से मना कर दिया और गाँधी जी को अपशब्द कहा। अगले दिन उसकी बकरी को उसके ही चार कुत्तों ने काट खाया।

3. गोरखपुर के एक गाँव में किसानों ने शराब पीना छोड़ने का निश्चय किया। एक व्यक्ति अपने निश्चय पर कायम नहीं रहा। जब वह शराब की दुकान की तलाश में जा रहा था तो उसके रास्ते में रोड़ों की बारिश होने लगी। ज्योंही उसने गाँधीजी का नाम लिया रोड़ों की बारिश बंद हो गई।

क. इन अफवाहों को पढ़कर गाँधी जी की किस छवि का पता चलता है?

ख. उस समय कौन सी परिस्थितियाँ थी, जो इन विश्वासों को सम्भव बनाती थी?

ग. जिस समय ये चमत्कार व अफवाहें प्रचलित थे, उस समय गाँधी जी अपने किस आंदोलन में सक्रिय थे?

घ. गाँधीजी की लोकप्रियता में उनकी चमत्कारिक शक्तियों का योगदान था। 21वीं शताब्दी में भी क्या लोग ऐसी अफवाहों या चमत्कारिक शक्तियों पर विश्वास करते है? अपने विचार व्यक्त कीजिए।

11. दिए गये भारत के मानचित्र में 1-2 स्थान दिए गए हैं, उन्हें पहचानकर नाम लिखिए - तथा निम्नलिखित स्थानों को इंगित कीजिए -

चौरीचौरा, अमृतसर, लाहौर, बनारस (कोई तीन)

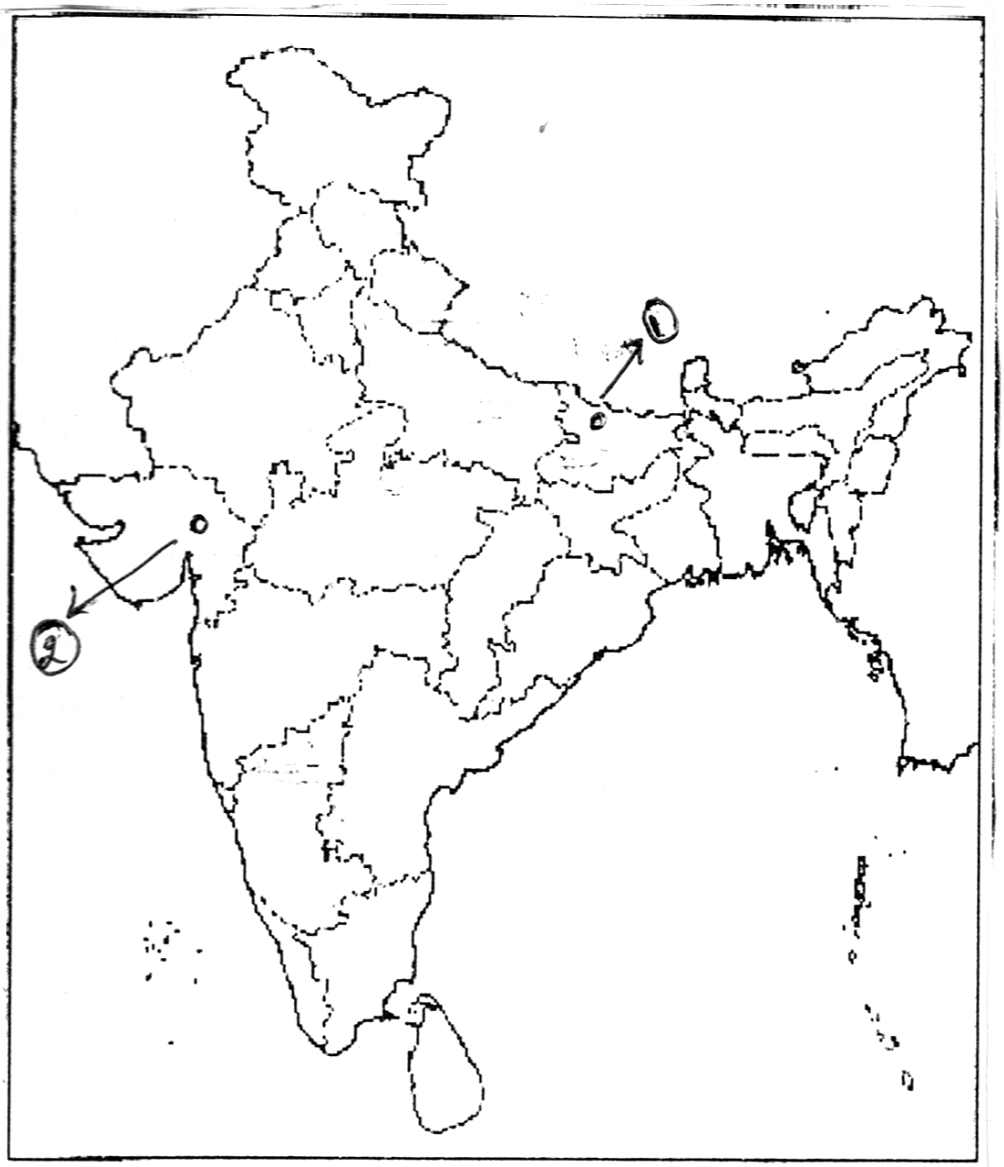
1
2

कार्य प्रपत्र-14

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-14 : विभाजन को समझना : राजनीति, स्मृति, अनुभव

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. भारत के बंटवारे को 'महाध्वंस' कहना न्यायसंगत होगा? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
2. मुसलमानों और हिन्दुओं को लेकर कुछ प्रचलित रूढ़ छवियाँ कौन-सी हैं जो विभाजन के समय प्रखर हुई?
3. ''पाकिस्तान'' का प्रस्ताव क्या था? इसे किसने लिख व पेश किया?
4. ''प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस'' किसे कहते हैं? किस राजनैतिक पार्टी के आह्वान पर यह दिवस वजूद में आया?
5. बँटवारे के समय औरतों के अनुभवों को हम किस प्रकार 'भयानक' की संज्ञा दे सकते है? विस्तारपूर्वक लिखिए।
6. 'क्या विभाजन के समय इन्सानियत और सौहार्द नष्ट हो चुके थे?' दोनों पक्षों की पड़ताल करते हुए इस कथन की समीक्षा कीजिए।
7. विभाजन के समय महात्मा गाँधी किस प्रकार ''एक अकेली फ़ौज़'' की तरह उभरे? विवेचना कीजिए।
8. मूल्य आधारित प्रश्न -
   विभाजन को समझने में 'मौखिक स्रोत' अहम हैं, मौखिक ब्यौरे को एकत्र करने के लिए साक्षात्कार की भूमिका ज़रूरी है।
   क. आप की नज़र में साक्षात्कार लेने वाले के क्या मूल्य होने चाहिए, जिससे 'उस समय का' सही चित्रण हो सके?
   ख. टी.वो. समाचार की दुनिया में आप कौन-सा न्यूज़ प्रिज़ेंटर प्रभावशाली लगता है? उसके कौन से मूल्य आप ग्रहण करना चाहेंगे? विस्तारपूर्वक लिखिए।
9. 'क्या विभाजन एक लंबे इतिहास का अंतिम चरण था?' पक्ष में उत्तर देते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए।
10. ''ओह, हिंदुस्तानी, मैं समझता था आप पाकिस्तानी हैं।'' मैंने उसे समझाने की पूरी कोशिश की कि मैं अपने आपको दक्षिण एशियाई मानता हूँ, पर वह अड़ा रहा, ''ना, नहीं! तुम कभी हमारे नहीं हो सकते! तुम्हारे लोगों ने 1947 में मेरा पूरा गाँव-का-गाँव साफ़ कर दिया था। हम कट्टर दुश्मन है, और हमेशा रहेगे।''
    क. यह किस 'काल' का चित्रण है?
    ख. इस कटुता के पीछे आप की समझ से क्या अहम कारण रहे होंगें?
    ग. इस कटुता को किस प्रकार कम किया जा सकता है?

कार्य प्रपत्र-15

कक्षा - बारहवीं

विषय - इतिहास

अध्याय-15 : संविधान का निर्माण

(एक नए युग की शुरूआत)

समय अवधि : 50 मिनट **अंक : 25**

1. भारतीय संविधान के कोई दो केन्द्रीय अभिलक्षण बताइए।
2. संविधान का उद्देश्य प्रस्ताव कब और किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया? इसका क्या महत्व है? कोई दो बिंदु लिखिए।
3. भारतीय संविधान निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाने वाले छः सदस्यों के नाम लिखिए।
4. भारतीय संविधान की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।
5. एन.जी. रंगा के विचार में असली अल्पसंख्यक कौन थे? उन्होंने संविधान सभा का ध्यान देश में व्याप्त किस विशाल खाई की ओर आकर्षित किया। स्पष्ट कीजिए।
6. 'संविधान सभा में की जाने वाली चर्चाओं को जनमत प्रभावित करते थे।' इस कथन की उदाहरण सहित पुष्टि कीजिए।
7. हमारे देश का संविधान किन (मानवीय) मूल्यों पर आधारित हैं। प्राचीन भारतीय राजनीति के किन मूल्यों को हमारे संविधान में सम्मिलित किया गया है?
8. संविधान सभा के अधिकतर सदस्य एक मज़बूत केन्द्र के पक्षधर थे। आपके विचार में क्या इसका कारण इस समय की राजनीतिक परिस्थितियाँ थीं? स्पष्ट कीजिए।
9. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

   राष्ट्रीय भाषा की क्या विशेषता होनी चाहिए।

   यह हिन्दुस्तानी न तो संस्कृतनिष्ठ हिंदी होनी चाहिए और न ही फारसीनिष्ठ उर्दू। यह दोनों का सुंदर मिश्रण होना चाहिए। उसे विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं से खुलकर शब्द उधार लेने चाहिए। विदेशी भाषाओं के ऐसे शब्द लेने में कोई हर्ज नहीं है जो हमारी राष्ट्रीय भाषा में अच्छी तरह और आसानी से घुलमिल सकते हैं। इस प्रकार हमारी राष्ट्रीय भाषा एक समृद्ध और शक्तिशाली भाषा होनी चाहिए जो मानवीय विचारों और भावनाओं के पूरे समुच्चय को अभिव्यक्ति दे सके। खुद को हिंदी या उर्दू से बाँध लेना देशभक्ति की भावना तथा समझदारी के विरुद्ध एक अपराध होगा।

   क. उपरोक्त पंक्तियाँ किसके द्वारा कही गई हैं?

ख. लेखक ने इन पंक्तियों में राष्ट्रभाषा की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

ग. संविधान सभा में भाषा का विवाद क्यों उठा? इसका क्या हल निकाला गया?

10. ''मेरा मानना है कि पृथक निर्वाचिका अल्पसंख्यकों के लिए आत्मघाती साबित होगी।''

27 अगस्त, 1947 को संविधान सभा की बहस में गोविंद वल्लभ पंत ने कहा था:

मेरा मानना है कि पृथक निर्वाचिका अल्पसंख्यकों के लिए आत्मघाती साबित होगी और उन्हें बहुत भारी नुकसान पहुँचाएगी। अगर उन्हें हमेशा के लिए अलग-थलग कर दिया गया तो वे कभी भी खुद को बहुसंख्यकों में रूपांतरित नहीं कर पाएँगे। निराशा का भाव शुरू से उन्हें अपंग बना देंगे। आप क्या चाहते हैं और हमारा अंतिम उद्देश्य क्या है? क्या अल्पसंख्यक हमेशा अल्पसंख्यकों के रूप में ही रहना चाहते हैं या वे भी एक दिन एक महान राष्ट्र का अभिन्न अंग बनने और उसकी नियति को निर्धारित व नियंत्रित करने का सपना देखते हैं?

मेरा विचार है कि अगर उन्हें शेष समुदाय से अलग रखा जाता है और ऐसे हवा बंद कमरे में काटकर रखा जाता है जहाँ उन्हें हवा के लिए भी औरों पर निर्भर रहना पड़ेगा तो यह उनके लिए भयानक रूप से खतरनाक होगा .....। अगर अल्पसंख्यक पृथक निर्वाचिकाओं से जीतकर आते रहे तो कभी प्रभावी योगदान नहीं दे पाएँगे।

उपरोक्त पंक्तियों को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीलिए।

क. पृथक निर्वाचिका से क्या अभिप्राय है?

ख. गोविंद वल्लभ पंत ने पृथक निर्वाचिका के विरोध में क्या तर्क दिए?

ग. क्या आप मानते हैं कि शैक्षणिक संस्थानों में अल्पसंख्यकों के लिए सीटें आरक्षित होनी चाहिए? अपने विचार के पक्ष में तर्क दीजिए।